Roll No. .....

B. A.-12 (Bachelor of Arts) Hindi
Third year Examination-2015

BAHL- 301

हिन्दी साहित्य का इतिहास एवं काव्यशास्त्र

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 60

नोट : यह प्रश्न-पत्र साठ (60) अंकों का है जो तीन (03) खंडों क, ख तथा ग में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह अंक निर्धारित हैं । शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं । (2×15=30)

1. हिन्दी साहित्येतिहास की परम्परा को रेखांकित कीजिए।

2. आदिकाल की आधारभूत सामग्री का निर्धारण कीजिए।

3. भक्तिकालीन पृष्ठभूमि को स्पष्ट करते हुए भक्ति आन्दोलन के कारक तत्वों की विवेचना कीजिए।

4. सगुण भक्तिकाल पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच (05) अंक निर्धारित हैं । शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×5=20)

1. काव्य हेतु पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।
2. अलंकार सम्प्रदाय की विवेचना कीजिए।
3. रीति सम्प्रदाय की प्रमुख स्थापनाओं पर विचार कीजिए।
4. साहित्येतिहास की अवधारणा स्पष्ट करते हुए उसकी परिभाषा दीजिए।
5. आदिकाल की प्रमुख रचनाओं का परिचय दीजिए।
6. संतकाल की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
7. सूफी काव्य के सौन्दर्य का उद्‌घाटन कीजिए।
8. भक्ति संबंधी विभिन्न दार्शनिक सिद्धान्तों की विवेचना कीजिए।

खण्ड-ग

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) प्रश्न दिये गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। (10×1=10)

(क) सत्य/ असत्य का चुनाव कीजिए:

1. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल कृत 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' 1929 ई. में प्रकाशि हुआ था।

2. सेनापति भक्तिकालीन रचनाकार हैं।

3. 'ए स्केच ऑफ हिन्दी लिटरेचर' के रचनाकार एड्विन ग्रीज हैं।

4. 'हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास' पुस्तक के लेखक डॉ. रामकुमार वर्मा जी हैं।

5. 'दीप अकेला' मुक्तिबोध की प्रसिद्ध कविता है।

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

6. 'तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलंकृति पुनः क्वापि' पंक्ति के रचनाकार. ..... हैं। (विश्वनाथ/ मम्मट/ भरत)

7. आचार्य भामह ..... हैं। (रसवादी/ रीतिवादी/ अलंकारवादी)

8. ध्वनिसिद्धान्त के प्रवर्त्तक ..... हैं।

(वामन/ आनन्दवर्द्धन/ विश्वनाथ)

9. 'हिन्दी साहित्य की भूमिका' के लेखक ..... हैं

(रामचन्द्र शुक्ल/ हजारी प्रसाद द्विवेदी/ रामकुमार वर्मा)

10. रीतिकाल को श्रृंगारकाल ..... ने कहा है।

(हजारी प्रसाद द्विवेदी/ विश्वनाथ प्रसाद मिश्र/ कृपाराम)